SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

वार्षिक प्रतिवेदन
ANNUAL REPORT
2003 – 2004

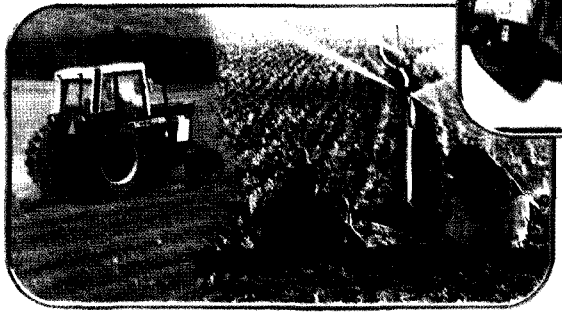

एस बी बी जे
S B B J

हम से मिलिये : www.sbbjbank.com

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर
STATE BANK OF BIKANER AND JAIPUR

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

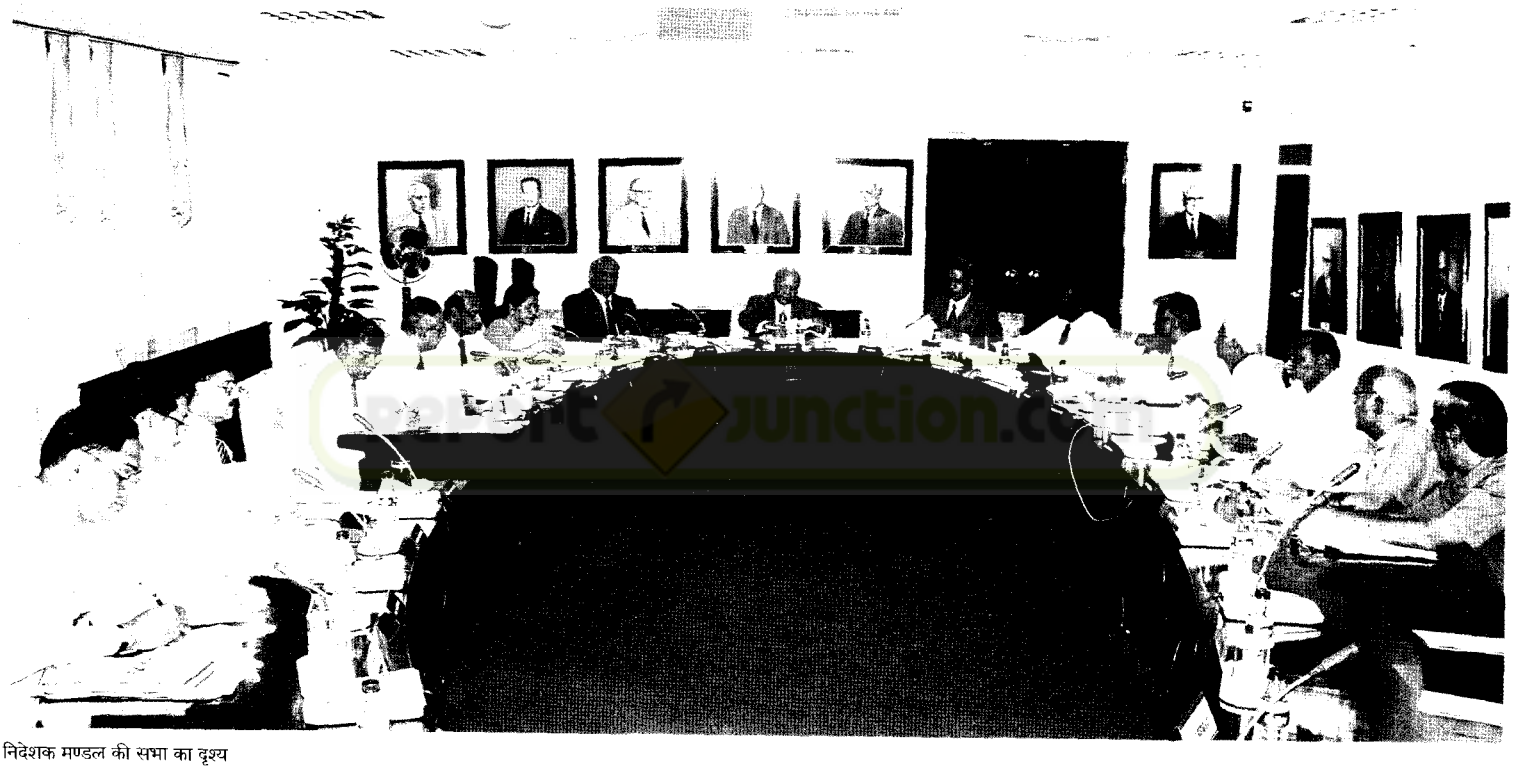

निदेशक मण्डल की सभा का दृश्य
View of the Meeting of the Board of Directors

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

सूचना

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर

(भारतीय स्टेट बैंक का सहयोगी)

प्रधान कार्यालय, तिलक मार्ग, 'सी'-स्कीम जयपुर-302005

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर के अंशधारकों की तैयालीसवीं वार्षिक साधारण सभा **बिड़ला ऑडिटोरियम, स्टेच्यू सर्किल के पास, जयपुर में मंगलवार, दिनांक 15 जून, 2004 को प्रातः 11.30 बजे** (मानक समय) आयोजित की जावेगी, जिसमें 1 अप्रैल, 2003 से 31 मार्च, 2004 तक की अवधि के तुलन-पत्र एवं लाभ और हानि खाता, इसी अवधि में बैंक के कार्यकरण एवं क्रियाकलापों पर निदेशकों के प्रतिवेदन तथा तुलन-पत्र व लेखों के सम्बन्ध में संपरीक्षकों के प्रतिवेदन पर विचार किया जायेगा।

मण्डल के आदेशानुसार

जयपुर
मई 11, 2004

के. आर. श्रीकण्ठन
प्रबन्ध निदेशक

Notice

State Bank of Bikaner & Jaipur

(Associate of the State Bank of India)

Head Office : Tilak Marg, 'C'-Scheme Jaipur-302 005

Notice is hereby given that the forty third Annual General Meeting of the shareholders of State Bank of Bikaner and Jaipur will be held in the **Birla Auditorium, Near Statue Circle, Jaipur on Tuesday, the 15th June, 2004 at 11.30 A.M.** (Standard Time) to discuss the Balance Sheet and Profit & Loss Account of the Bank, the report of the Directors on the working and activities of the Bank and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts for the period from 1st April, 2003 to 31st March, 2004.

By Order of the Board

JAIPUR
May 11, 2004

K. R. Srikantan
Managing Director

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

विषय सूची CONTENTS

उल्लेखनीय तथ्य	03
Highlights	03
निदेशक मण्डल	04
Board of Directors	05
निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन	06
Directors' Report	07
तुलन-पत्र	54
Balance Sheet	54
लाभ-हानि खाता	56
Profit & Loss Account	56
अनुसूचियां	58
Schedules	58
प्रमुख लेखा नीतियां	82
Principal Accounting Policies	83
लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन	86
Auditors' Report	87
नकदी प्रवाह विवरण	88
Cash Flow Statement	88

उन्नति का एक दशक 1995-2004
A Decade of Progress 1995-2004

(रुपये करोड़ में)
(Rs. in Crore)

संकेतक Indicators	पूँजी एवं आरक्षितियां Capital & Reserves	कुल व्यवसाय Total Business	हानिप्रद शाखाएं Loss making Branches	सकल उपार्जन Operating Profit	निवल लाभ Net Profit	शाखाओं की संख्या No. of Branches	प्रति कर्मचारी औसत व्यवसाय Average Business per Employee
मार्च March 1995	73.38	6459	86	72.73	8.04	740	0.40
मार्च March 1996	157.81	7500	50	112.25	25.79	753	0.47
मार्च March 1997	193.48	8866	31	156.93	40.48	771	0.55
मार्च March 1998	344.12	10493	13	195.92	90.48	774	0.63
मार्च March 1999	419.35	12223	14	162.12	91.88	787	0.74
मार्च March 2000	523.12	14018	10	237.88	120.42	794	0.86
मार्च March 2001	609.20	16065	7	268.30	105.37*	799	1.05
मार्च March 2002	752.11	17592	7	390.61	164.50*	802	1.29
मार्च March 2003	903.45	20391	4	440.85	203.28*	804	1.46
मार्च March 2004	1148.57	24646	4	681.35	301.52*	812	1.70

* स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति के कारण वर्ष 2000-01 में रुपये 45.37 करोड़ एवं वर्ष 2001-02 से रुपये 21.45 करोड़ प्रति वर्ष भार के बाद।
* After VRS outgo of Rs. 45.37 crore in 2000-01 and Rs. 21.45 crore per year from 2001-02 and onwards.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

उल्लेखनीय तथ्य
HIGHLIGHTS

(रुपये करोड़ में)
(Rs. in Crore)

	2002-03	2003-04
कुल व्यवसाय अन्तर-बैंक जमाओं सहित Total Business including inter-bank deposits	20391	**24646**
जमा राशियाँ Deposits	13280	**15642**
कुल अग्रिम Total Advances	7111	**9004**
अग्रिम (निवल) Advances (Net)	6773	**8597**
निवेश (निवल) Investments (Net)	7679	**8430**
निवल लाभ Net Profit	203.28	**301.52**
जमाओं की लागत Cost of Deposits	6.99%	**5.87%**
अग्रिमों पर आय Yield on Advances	10.01%	**9.11%**
निवल ब्याज अन्तर Net Interest Margin	3.76%	**4.19%**
प्रदत्त पूँजी एवं आरक्षितियां Paid-up Capital & Reserves	903.45	**1148.57**
प्रति अंश आय (रुपयों में) Earning per Share (in Rs.)	406.55	**603.04**
प्रति अंश पुस्तक मूल्य (रुपयों में) Book Value per Share (in Rs.)	1807	**2297**
पूँजी पर्याप्तता अनुपात Capital Adequacy Ratio	13.18%	**12.93%**
लाभांश दर Dividend Rate	50%	**100%**
सकल गैर-निष्पादित आस्तियां Gross Non Performing Assets	580.29	**483.66**
सकल गैर-निष्पादित आस्तियां प्रतिशत Gross NPA %	8.15%	**5.36%**
निवल गैर-निष्पादित आस्तियां प्रतिशत Net NPA %	4.13%	**1.24%**
प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को अग्रिम Advances to Priority Sectors	3305	**4185**
कृषि क्षेत्र को अग्रिम Advances to Agriculture	1178	**1529**
लघु उद्योग क्षेत्र को अग्रिम Advances to Small Scale Industries	1104	**1329**
लघु व्यवसाय व अन्य प्राथमिकता क्षेत्र ऋण अग्रिम Advances to Small Business & Other Priority Sectors	1023	**1327**
किसान क्रेडिट कार्डों की कुल संख्या Total number of Kisan Credit Cards	123232	**187273**
निर्यात वित्त Export Finance	752	**941**
आठ सेवा शाखाओं सहित शाखाओं की कुल संख्या No. of branches including eight service branches	804	**812**
पूर्णत: कम्प्यूटरीकृत शाखाओं की संख्या No. of fully computerised branches	517	**812**
कर्मचारियों की संख्या Number of Employees	13209	**13054**
प्रति कर्मचारी औसत व्यवसाय Average business per employee	1.46	**1.70**

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशक मण्डल

श्री ए. के. पुरवार अध्यक्ष भारतीय स्टेट बैंक कॉरपोरेट केन्द्र मादाम कामा रोड, मुम्बई	भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (ए) के अधीन पदेन अध्यक्ष
श्री सी. भट्टाचार्य प्रबन्ध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (सीबी एवं ए एण्ड एस) भारतीय स्टेट बैंक, कॉरपोरेट केन्द्र, मुम्बई	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत
श्री के. आर. श्रीकण्ठन प्रबन्ध निदेशक स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर ए-1, बैंक हाउस, बापूनगर, जयपुर	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (एए) के अधीन मनोनीत
श्री एस. रामास्वामी महाप्रबन्धक, भारतीय रिजर्व बैंक ग्रामीण योजना एवं साख विभाग होशंगाबाद रोड, भोपाल	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (बी) के अधीन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मनोनीत
श्री एम. एन. राव महाप्रबन्धक (ए एण्ड एस) सहयोगी बैंक विभाग, भारतीय स्टेट बैंक कॉरपोरेट केन्द्र, मुम्बई	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत
श्री यशोवर्धन सिन्हा उप महाप्रबन्धक (ए एण्ड एस) सहयोगी बैंक विभाग, भारतीय स्टेट बैंक कॉरपोरेट केन्द्र, मुम्बई	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत
चौधरी शाह मोहम्मद खान जे-252, सेवा सदन मंगोलपुरी, नई दिल्ली	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत
श्री रमेश चन्द भण्डारी "रूप श्री", एस-1-ए, भवानीसिंह मार्ग सी-स्कीम, जयपुर	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (डी) के अधीन चयनित निदेशक
श्री एस.डी.एस. मिन्हास अवर सचिव, भारत सरकार वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग डिवीजन) संसद मार्ग, नई दिल्ली	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (ई) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत
श्री यू. एम. संघी सचिव, एबीओए (यूनिट-एसबीबीजे) सहायक महाप्रबन्धक (राजभाषा) स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर, प्रधान कार्यालय, जयपुर	अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (2ए) के साथ पठित धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सीबी) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत
श्री एल. एन. जालानी विशेष सहायक स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर ए-23, शास्त्री नगर अंचल कार्यालय, जोधपुर-324 033	अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (2ए) के साथ पठित धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सीए) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत

BOARD OF DIRECTORS

Shri A.K. Purwar Chairman State Bank of India Corporate Centre Madame Cama Road, Mumbai	Chairman, ex-officio under clause (a) of sub-section (1) of section 25 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959.
Shri C. Bhattacharya Managing Director & Group Executive (CB and A&S) State Bank of India Corporate Centre, Mumbai	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri K.R. Srikantan Managing Director State Bank of Bikaner & Jaipur A-1, Bank House Bapu Nagar, Jaipur	Nominated under clause (aa) of sub-section (1) of section 25 of the Act
Shri S. Ramaswamy General Manager Reserve Bank of India Rural Planning & Credit Deptt. Hoshangabad Road, Bhopal	Nominated by the Reserve Bank of India under clause (b) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri M.N. Rao General Manager (A&S) Associate Banks Deptt. State Bank of India Corporate Centre, Mumbai	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri Yashovardhan Sinha Dy. General Manager (A&S), Associate Banks Deptt. State Bank of India Corporate Centre, Mumbai	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Ch. Shah Mohammad Khan J-252, Seva Sadan, Mangolpuri New Delhi	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri Ramesh Chand Bhandari "Roop Shri" S-I-A, Bhawani Singh Marg C- Scheme, Jaipur	Elected under clause (d) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri S.D.S. Minhas Under Secretary, Govt. of India, Ministry of Finance, Deptt.of Economic Affairs (Banking Division) Parliament Street, New Delhi	Nominated by the Central Government under clause (e) of sub- section (1) of section 25 of the Act
Shri U.M. Sanghi Sercretary, ABOA (Unit-SBBJ) AGM (Rajbhasha) State Bank of Bikaner & Jaipur Head Office, Jaipur	Nominated by the Central Government under clause (cb) of sub-section (1) of section 25 read with sub-section (2A) of section 26 of the Act.
Shri L.N. Jalani Special Assistant State Bank of Bikaner & Jaipur A-23. Shastri Nagar, Zonal Office, Jodhpur-342033	Nominated by the Central Government under clause (ca) of sub-section (1) of section 25 read with the sub-section (2A) of section 26 of the Act.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशक मण्डल
BOARD OF DIRECTORS

श्री ए. के. पुरवार
अध्यक्ष
Shri A. K. Purwar
Chairman

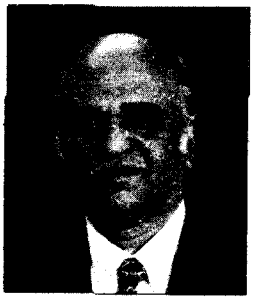

श्री के. आर. श्रीकण्ठन
प्रबन्ध निदेशक
Shri K. R. Srikantan
Managing Director

श्री सी. भट्टाचार्य
Shri C. Bhattacharya

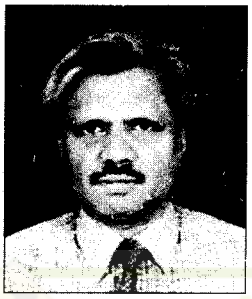

श्री एस. रामास्वामी
Shri S. Ramaswamy

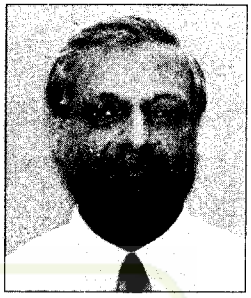

श्री एम. एन. राव
Shri M. N. Rao

श्री यशोवर्धन सिन्हा
Shri Yashovardhan Sinha

श्री रमेश चन्द भण्डारी
Shri Ramesh Chand Bhandari

श्री एस. डी. एस. मिन्हास
Shri S. D. S. Minhas

श्री यू. एम. संघी
Shri U. M. Sanghi

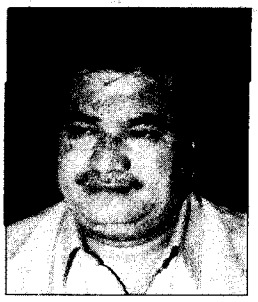

श्री एल. एन. जालानी
Shri L. N. Jalani

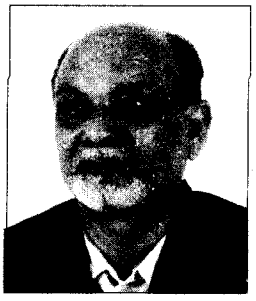

चौधरी शाह मोहम्मद खान
Choudhary Shah Mohammad Khan

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 43 (1) के निबन्धनों के तहत भारतीय स्टेट बैंक, भारतीय रिज़र्व बैंक एवं भारत सरकार को निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन

प्रतिवेदन की अवधि : 1 अप्रैल, 2003 से 31 मार्च, 2004

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर के निदेशक मण्डल को बैंक के 31 मार्च, 2004 को समाप्त हुए वर्ष का वार्षिक प्रतिवेदन, अंकेक्षित तुलन-पत्र एवं लाभ-हानि खातों के साथ प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता है।

प्रबन्धन विचार-विमर्श और विश्लेषण

आर्थिक परिदृश्य-भारतीय अर्थव्यवस्था

भारतीय अर्थव्यवस्था, वर्ष 2003-04 में अब तक की उच्चतम वृद्धि दरों में से एक प्राप्त करने की ओर अग्रसर है। अर्थव्यवस्था ने तीनों क्षेत्रों कृषि, उद्योग एवं सेवाओं में उल्लेखनीय निष्पादन दर्ज किया है।

केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन के नवीनतम अनुमानों के अनुसार अप्रैल-दिसम्बर 2003 की अवधि के दौरान वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर अनुमानित है। अक्टूबर-दिसम्बर 2003 की तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में 10.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2003-04 में कृषि, उद्योग एवं सेवा क्षेत्रों में वृद्धि दर क्रमश: 9 प्रतिशत, 6.8 प्रतिशत एवं 8.5 प्रतिशत होने की आशा है। कृषि, निर्यात एवं निर्माण क्षेत्र औद्योगिक वृद्धि के संवाहक के रूप में उभरे हैं। व्यापक मानसून से कृषि क्षेत्र ने समग्र वृद्धि में महती भूमिका निभाई है। कृषि क्षेत्र में अच्छी वृद्धि ग्रामीण एवं अर्धशहरी क्षेत्रों में अन्य उत्पादों की माँग को उत्प्रेरित करेगा तथा अन्य निर्माण उद्योग एवं सेवाओं में भी सुधार होगा। प्रमुख आधारभूत परियोजनाओं जैसे स्वर्णिम चतुर्भुज एवं राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सीमेन्ट, कोयला तथा स्टील उद्योगों में भी तीव्रता से वृद्धि हुई है। अन्य क्षेत्रों जैसे गृह निर्माण, उपभोक्ता वस्तुओं (एफ.एम.सी.जी.), सूचना प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित सेवाओं (आई.टी.ई.एस.) तथा ऑटोमोबाइल में भी अच्छी वृद्धि हुई है। सेवा क्षेत्र, सकल घरेलू उत्पाद में सर्वाधिक योगदान करने वाले क्षेत्र के रूप में बना रहा।

वर्ष 2003-04 में 61.85 बिलियन अमेरिकन डॉलर का निर्यात हुआ, यह पिछले वर्ष पर 17.26 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। आयात में इस वर्ष 24.96 प्रतिशत की वृद्धि (75.21 बिलियन अमेरिकन डॉलर) हुई, जिससे देश का व्यापार घाटा 13.36 बिलियन अमेरिकन डॉलर हो गया।

विदेशी विनिमय कोष में भी लगातार आशातीत वृद्धि हो रही है एवं 26 मार्च, 2004 को यह 110.32 बिलियन अमेरिकन डॉलर था।

थोक मूल्य सूचकांक में वृद्धि पर आधारित मुद्रा स्फीति दर 10 जनवरी 2004 को 6.63 प्रतिशत से घटकर 27 मार्च 2004 को समाप्त सप्ताह में 4.47 प्रतिशत रही।

राजस्थान की अर्थव्यवस्था

राजस्थान मुख्यत: कृषि पर आधारित राज्य है। यहाँ की जनसंख्या का अधिकांश भाग रोजगार एवं आय अर्जन के लिए कृषि पर निर्भर है। इसी प्रकार कृषि एवं उसकी सहायक गतिविधियों का राज्य के शुद्ध घरेलू उत्पाद में बहुत बड़ा योगदान है। कई वर्षों के सूखे के बाद वर्ष 2003-04 में राज्य में व्यापक मानसून आया। इससे राज्य की अर्थव्यवस्था के विकास पर अच्छा प्रभाव पड़ा है। राज्य की प्रति व्यक्ति आय लगातार तीन वर्षों में गिरने के पश्चात् बढ़ने की सम्भावना है।

हाल ही में पश्चिमी राजस्थान (जिला बाड़मेर) में बड़ी मात्रा में सुरक्षित खनिज तेल के भण्डार मिलने के समाचार भविष्य में राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत

बैंक द्वारा वित्त पोषित कोटा व सैण्ड स्टोन इकाई।

Kota and Sand Stone unit financed by the Bank.

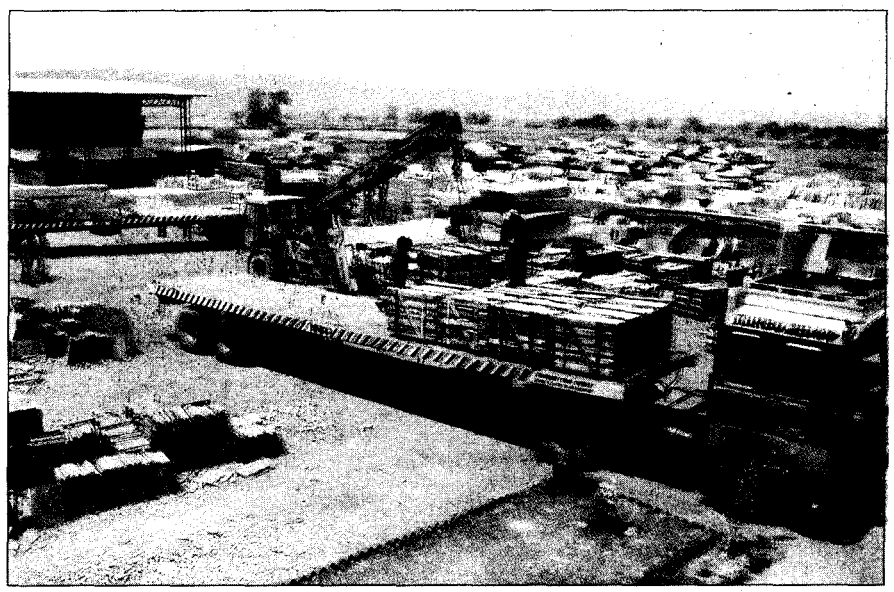

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

Report of the Board of Directors to the State Bank of India, the Reserve Bank of India and the Government of India in terms of Section 43(1) of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959.

Period covered by the report: 1st April, 2003 to 31st March , 2004

The Board of Directors of State Bank of Bikaner and Jaipur have pleasure in presenting this Annual Report together with the audited Balance Sheet and Profit and Loss Account of the Bank for the year ended 31st March 2004.

MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS

ECONOMIC ENVIRONMENT – INDIAN ECONOMY

The Indian economy is poised to record one of the highest growth rates during 2003-04. The economy has posted impressive performance in all the three sectors i.e., agriculture, industry and services.

As per the latest estimates made by Central Statistical Organisation, the real Gross Domestic Product (GDP) is estimated to have recorded a growth of 8.2 per cent during April-December 2003. The quarter Oct.-Dec. 2003 has recorded a GDP growth of 10.4 per cent. Agriculture, industry and services sectors are expected to grow at 9.0 per cent, 6.8 per cent and 8.5 per cent, respectively, during the financial year 2003-04. Agriculture, export and construction have emerged as the drivers of industrial growth. With well-spread monsoon, agriculture has contributed significantly to the overall growth. As the positive impact of good growth in agriculture props up demand for other products in rural and semi-urban areas, several other manufacturing industries and services will also get a boost. Major infrastructure projects like Golden Quadrilateral and Corridor Highways fuelled growth in Cement, Coal and Steel industries through forward and backward linkages. Other areas like Housing, Fast Moving Consumer Goods (FMCG) Industries, Information Technology Enabled Services (ITES) and Automobile Sector have recorded good growth. Services sector continues to be a major growth contributor to GDP.

Exports at US$ 61.85 bn during 2003-04 increased by 17.26 per cent over the previous year. Imports recorded a growth of 24.96 per cent (US$ 75.21 bn) during the same period resulting in a trade deficit of US$ 13.36 bn.

Foreign exchange reserves continue to record impressive growth and stood at US $ 110.32 bn as on 26th March, 2004.

Inflation as measured by increase in Wholesale Price Index (WPI) has declined from 6.63 per cent as on January 10, 2004 to 4.47 per cent for the week ended on March 27, 2004.

ECONOMY OF RAJASTHAN

Rajasthan is predominantly an agrarian state. A majority of the population is dependent on agriculture both for employment and income generation. Similarly, agriculture and its allied activities contribute to the major portion of Net State Domestic Product. After several years of drought, 2003-04 was the first year with a well-spread monsoon. This had a

बैंक द्वारा वित्त पोषित सड़क विकास परियोजना।

Road Development Project financed by the Bank.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

है। केन्द्र सरकार ने नई पहल कर इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना एवं नर्मदा नदी का विस्तार राजस्थान में करने की घोषणा की है। इन परियोजनाओं द्वारा राज्य के पानी की कमी वाले क्षेत्रों में, पानी की आपूर्ति की जा सकेगी। 'रेगिस्तान में हरियाली' हेतु राजस्थान में एक कार्यबल स्थागित किया जा रहा है।

राज्य में पर्यटन एवं आतिथ्य उद्योग की अच्छी संभाव्यता है। यहाँ के ऐतिहासिक महल, कला, परम्परागत लोक नृत्य, मेले, त्यौहार, प्राकृतिक झीलें एवं अभयारण्य पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। राज्य में हस्तकला, रत्न एवं जवाहरात, विदेशी विनिमय अर्जन के मुख्य स्रोत हैं एवं भविष्य में इनमें वृद्धि होने की बहुत संभाव्यता है।

वित्तीय क्षेत्र की गतिविधियाँ

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान वित्तीय क्षेत्र में निम्न महत्त्वपूर्ण गतिविधियाँ हुई :-

- बैंकों, वित्तीय संस्थाओं द्वारा अग्रिमों की स्वीकृति एवं अनुवर्तन हेतु फेयर प्रेक्टिस्स कोड के सृजन एवं अनुपालना हेतु निर्देश दिए गए।
- अनर्जक आस्तियों के वर्गीकरण हेतु कठोर मापदण्ड अपनाए गये - 31.03.2004 से अनर्जक आस्ति हेतु 90 दिन का मापदण्ड एवं उपमानक आस्ति वर्गीकरण से संदिग्ध आस्तियों हेतु 24 माह के स्थान पर 18 माह के मापदण्ड लागू किये गए।
- बैंकों द्वारा परिचालन लागत, फैलाव, जोखिम प्रीमियम एवं लाभ गुंजाइश पर आधारित बैंचमार्क पीएलआर लागू की गई। कुछ ऋणों को इन दरों से अलग रखा गया है। ये ऋण हैं (i) उपभोक्ता वस्तुओं की खरीद हेतु ऋण (ii) अंशों/ ऋण-पत्रों, बॉण्ड के विरुद्ध ऋण (iii) किसी भी मात्रा के अन्य वैयक्तिक ऋण जो कि प्राथमिक क्षेत्र के अन्तर्गत नहीं आते।
- त्वरित सकल निस्तारण पद्धति (आर.टी.जी.एस.) को प्रायोगिक तौर पर लागू किया गया है।
- हस्त कारीगर, बुनकर, मछुआरे, स्वयं नियोजित व्यक्तियों एवं अन्य लघु संस्थाओं को पर्याप्त एवं समय से साख उपलब्ध करवाने हेतु एक नई साख व्यवस्था, स्वरोज़गार क्रेडिट कार्ड योजना लागू की गई।
- चुनिंदा निजी बैंकों को सरकारी व्यवसाय करने हेतु अधिकृत किया गया।

बैंक द्वारा वित्त पोषित होजरी इकाई में कार्यरत महिलाएं।

Women working in a hosiery unit financed by the Bank.

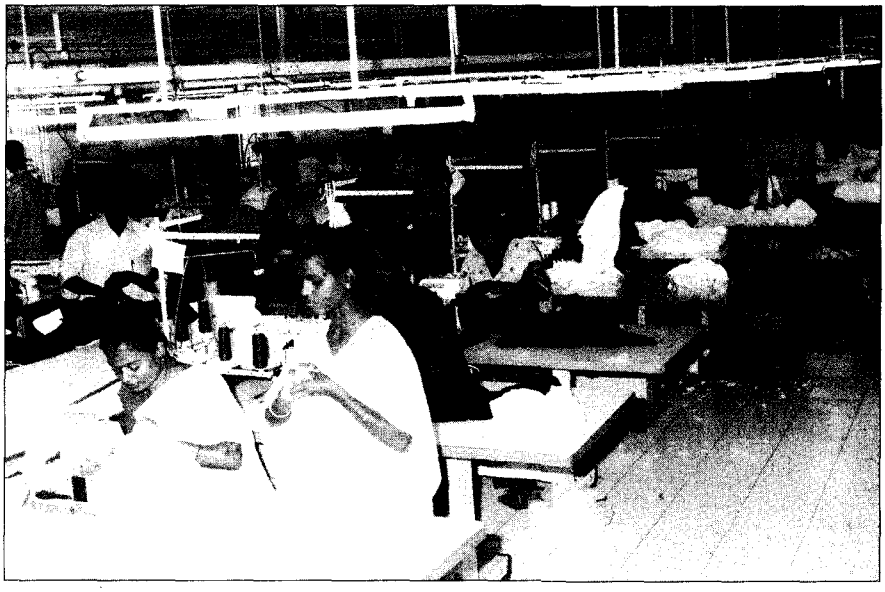

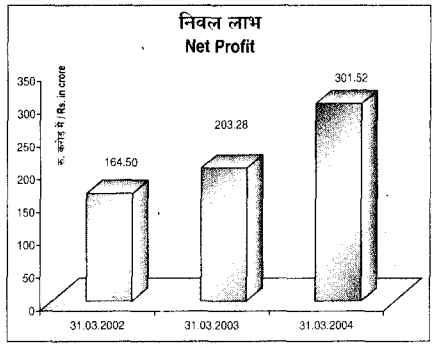

- कृषि अग्रिमों में कुछ वर्गों के लिए ब्याज दरों में कमी की गई।

अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का व्यवसाय

अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की जमाओं में, वर्ष 2002-03 में हुई 12.2 प्रतिशत वृद्धि (विलय के पश्चात्) के विरुद्ध 26 मार्च 2004 को समाप्त अवधि के दौरान 16.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसके अतिरिक्त अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के गैर खाद्य अग्रिमों में पिछले वर्ष में हुई 17.8 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष 17.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

एम-3 मुद्रा आपूर्ति में वर्ष 2003-04 के दौरान 15.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि 2002-03 में यह 14.8 प्रतिशत थी।

निगम परिचालन

लाभ

बैंक का परिचालन लाभ रुपये 440.85 करोड़ से बढ़कर रुपये 681.35 करोड़ हो गया है। इसमें पिछले वर्ष की तुलना में 54.55 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बैंक ने वर्ष 2003-04 में रुपये 301.52 करोड़ का निवल लाभ अर्जित किया है जो कि वर्ष 2002-03 के रुपये 203.28 करोड़ की तुलना में 48.33 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। जमाओं की लागत में कमी, खुदरा वित्त पर अधिक ध्यान, कोष परिचालन में सुधार, अनर्जक आस्तियों पर नियंत्रण एवं गैर निधि आधारित व्यवसाय जैसे कई उपायों का लाभ वृद्धि में मुख्य योगदान रहा।

www.reportjunction.com